BHDF-101/FHD-1

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2021 एवं जनवरी 2022 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एफ–101 / एफ.एच.डी.–1
हिंदी में आधार पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिंदी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य (2021–22)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2021 सत्र के लिए	:	**31 मार्च 2022**
जनवरी 2022 सत्र के लिए	:	**30 सितम्बर 2022**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखने हैं तथा लघु प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में देने हैं। इसके अलावा तीसरी श्रेणी के प्रश्न हैं जिनमें दिए गए शीर्षक पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखनी है।

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

   यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :
   क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
   ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
   ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
   घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य 2021–22
(पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एफ.–101 / एफ.एच.डी.-1
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.डी.एफ.–101 / एफ.एच.डी.-1 / टीएमए / 2021–22
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए : 10
   (क) घड़ों पानी पड़ जाना
   (ख) मन में लड्डू फूटना
   (ग) ईद का चाँद होना
   (घ) डींग मारना
   (ङ) बात का बतंगड़ बनाना

2. निम्नलिखित शब्दों के मेल से बनने वाले शब्द बनाइए : 5
   (क) उत् + कर्ष
   (ख) जगत् + नाथ
   (ग) दिक् + गज
   (घ) विद्या + आलय
   (ङ) जगत् + ईश

3. निम्नलिखित शब्दों के दो पर्यायवाची शब्द बताइए : 5
   (क) सूरज
   (ख) तालाब
   (ग) रात
   (घ) पक्षी
   (ङ) चन्द्रमा

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द बनाइए : 5
   (क) आकाश
   (ख) सबल
   (ग) शांत
   (घ) हानि
   (ङ) संतुष्ट

5. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए : 5
   (क) उच्चारण
   (ख) सच्चरित्र
   (ग) उन्नति
   (घ) सन्मार्ग
   (ङ) उद्भव

6. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग बताइए : 5
(क) सुप्रभात
(ख) बेचैन
(ग) नापसंद
(घ) लाचार
(ङ) बेमिसाल

7. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय बताइए : 5
(क) लकड़हारा
(ख) आज्ञाकारी
(ग) मिठाई
(घ) दुखदायी
(ङ) चिकनाहट

8. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250–300 शब्दों में लिखिए : 5X2=10
(क) 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी में मोहन राकेश क्या कहना चाहते हैं?
(ख) 'जूठन' की अंतर्वस्तु पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

9. निम्नलिखित पद्यांशों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए : 5X2=10

(क) वह तोड़ती पत्थर।
देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर
वह तोड़ती पत्थर
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार
श्याम तन, भर बँधा यौवन
नत नयन, प्रिय कर्म रत मन

(ख) सखि, नीलनभस्सर में उतरा
अब तारक-मौक्तिक शेष नहीं,
यह हंस अहा! तिरता तिरता
निकला जिनको चरता-चरता

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 300 शब्दों में निबंध लिखिए। 10
(क) प्रदूषण की समस्या
(ख) संयुक्त परिवार
(ग) हिंदी भाषा

11. अपनी कॉलोनी में कूड़े-फेंकने की समस्या के समाधान हेतु संबंधित अधिकारी को पत्र लिखिए। 10

12. 'पराधीन सपने हुँ सुख नाहीं' का भाव-पल्लवन कीजिए। 10

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और इसके आधार पर नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2X5=10

पाषण-युग के खत्म होने के पहले की दुनिया की आबोहवा बदल गई और उसमें गर्मी आ गई। बर्फ के पहाड़ अब उत्तरी सागर तक ही रहते थे और मध्य-एशिया और यूरोप में बड़े-बड़े जंगल पैदा हो गए। इन्हीं जंगलों में आदमियों की एक नई जाति रहने लगी। ये लोग बहुत–सी बातों में पत्थर–युग के आदमियों से ज्यादा होशियार थे। लेकिन वे भी पत्थर के ही औजार बनाते थे। ये लोग भी पत्थर ही के युग के थे; मगर वह पिछला पत्थर का युग था, इसलिए वे नए पत्थर युग के आदमी कहलाते थे।

गौर से देखने से मालूम होता है कि नए पत्थर-युग के आदमियों ने बड़ी तरक्की कर ली थी। आदमी की अक्ल और जानवरों के मुकाबले में उसे तेजी से बढ़ाए लिए जा रही है। इन्हीं नए पाषाण-युग के आदमियों ने एक बहुत बड़ी चीज निकाली। वह खेती करने का तरीका था। उन्होंने खेतों को जोतकर खाने की चीजें पैदा करनी शुरू की। उसके लिए यह बहुत बड़ी बात थी। अब उन्हें आसानी से खाना मिल जाता था, इसकी जरूरत न थी कि वे रात-दिन जानवरों का शिकार करते रहें। अब उन्हें सोचने और आराम करने की ज्यादा फुर्सत मिलने लगी और उन्हें जितनी ही ज्यादा फुर्सत मिलती थी, नई चीज़ें और तरीके निकालने में वे उतनी ही ज्यादा तरक्की करते थे। उन्होंने मिट्टी के बर्तन बनाने शुरू किए और उनकी मदद से खाना पकाने लगे। पत्थर के औजार भी अब ज्यादा अच्छे बनने लगे और उन पर पॉलिश भी अच्छी होने लगी। उन्होंने गाय, कुत्ता, भेड़, बकरी वगैरह जानवरों को पालना सीख लिया और वे कपड़े भी बुनने लगे।

(क) दुनिया की आबोहवा कब बदल गई?
(ख) कौन बहुत सी बातों में पत्थर-युग के आदमियों से ज्यादा होशियार थे।
(ग) पाषाण-युग के आदमियों ने कौन चीज निकाली?
(घ) पाषाण-युग के लोगों को कब और क्यों ज्यादा सोचने और आराम करने की फुर्सत मिलने लगी?
(ङ) पाषाण-युग के लोग कब तरक्की करने लगे?